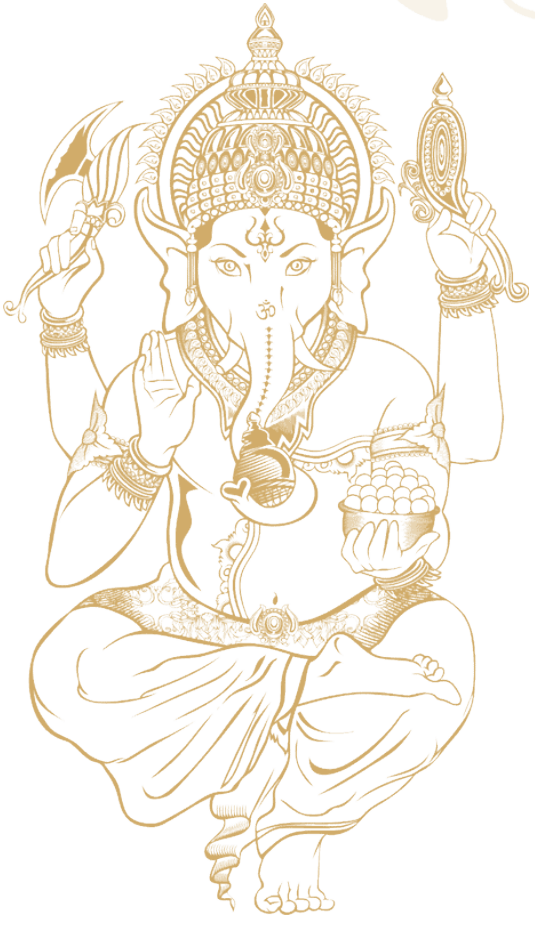

Mr.p sobti

13 Aug 1992

11:02 PM

Meerut

Model: web-freekundliweb

Order No: 121017108

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**13/08/1992**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**23:02:00 घंटे**
इष्ट	43:07:56 घटी
स्थान	**Meerut**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	29:00:00 उत्तर
रेखांश	77:42:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:19:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	22:42:48 घंटे
वेलान्तर	-00:04:49 घंटे
साम्पातिक काल	20:12:23 घंटे
सूर्योदय	05:46:49 घंटे
सूर्यास्त	19:00:40 घंटे
दिनमान	13:13:51 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	27:26:18 कर्क
लग्न के अंश	21:08:20 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**धनिष्ठा - 3**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	शोभन
करण	बालव
गण	राक्षस
योनि	सिंह
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	गू-गूजरमल
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	21:08:20	441:14:36	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	---
सूर्य			कर्क	27:26:18	00:57:36	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	गुरु	मित्र राशि
चंद्र			कुंभ	00:39:02	11:51:06	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	सम राशि
मंगल			वृष	18:10:21	00:38:51	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	बुध	सम राशि
बुध			कर्क	12:13:50	00:04:18	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	मंगल	शत्रु राशि
गुरु			सिंह	23:54:36	00:12:14	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	शनि	मित्र राशि
शुक्र			सिंह	14:11:21	01:13:47	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
शनि	व		मक	20:54:23	00:04:27	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	स्वराशि
राहु	व		धनु	05:46:48	00:09:17	मूल	2	19	गुरु	केतु	राहु	नीच राशि
केतु	व		मिथु	05:46:48	00:09:17	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	चंद्र	नीच राशि
हर्ष	व		धनु	20:55:16	00:01:47	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	---
नेप	व		धनु	22:55:59	00:01:16	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	---
प्लूटो			तुला	26:26:38	00:00:28	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	केतु	---
दशम भाव			मक	07:07:26	--	उत्तराषाढ़ा	--	21	शनि	सूर्य	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:45:33

लग्न-चलित

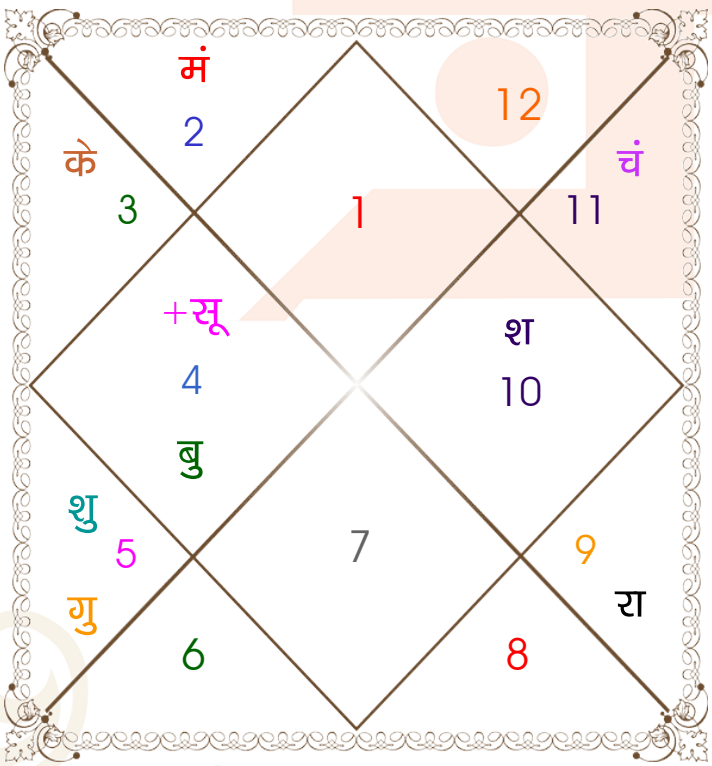

चन्द्र कुंडली

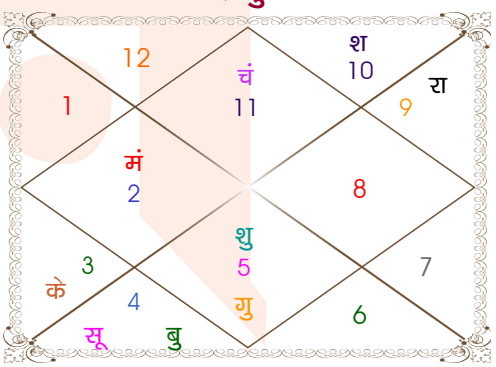

नवमांश कुंडली

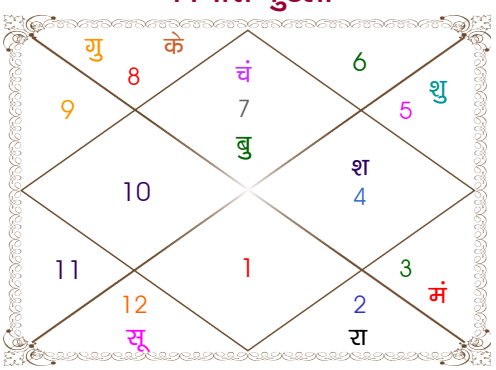

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 3 वर्ष 1 मास 27 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
13/08/1992		11/10/1995		11/10/2013		11/10/2029		10/10/2048	
11/10/1995		11/10/2013		11/10/2029		10/10/2048		11/10/2065	
	00/00/0000	राहु	23/06/1998	गुरु	29/11/2015	शनि	13/10/2032	बुध	09/03/2051
	00/00/0000	गुरु	16/11/2000	शनि	11/06/2018	बुध	24/06/2035	केतु	05/03/2052
	00/00/0000	शनि	23/09/2003	बुध	16/09/2020	केतु	01/08/2036	शुक्र	04/01/2055
	13/08/1992	बुध	11/04/2006	केतु	23/08/2021	शुक्र	02/10/2039	सूर्य	11/11/2055
बुध	08/04/1993	केतु	30/04/2007	शुक्र	23/04/2024	सूर्य	13/09/2040	चंद्र	11/04/2057
केतु	04/09/1993	शुक्र	29/04/2010	सूर्य	09/02/2025	चंद्र	14/04/2042	मंगल	08/04/2058
शुक्र	04/11/1994	सूर्य	24/03/2011	चंद्र	11/06/2026	मंगल	24/05/2043	राहु	26/10/2060
सूर्य	12/03/1995	चंद्र	22/09/2012	मंगल	18/05/2027	राहु	30/03/2046	गुरु	31/01/2063
चंद्र	11/10/1995	मंगल	11/10/2013	राहु	11/10/2029	गुरु	10/10/2048	शनि	11/10/2065

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
11/10/2065		10/10/2072		10/10/2092		11/10/2098		11/10/2108	
10/10/2072		10/10/2092		11/10/2098		11/10/2108		00/00/0000	
केतु	09/03/2066	शुक्र	10/02/2076	सूर्य	28/01/2093	चंद्र	11/08/2099	मंगल	10/03/2109
शुक्र	09/05/2067	सूर्य	09/02/2077	चंद्र	30/07/2093	मंगल	12/03/2100	राहु	28/03/2110
सूर्य	14/09/2067	चंद्र	11/10/2078	मंगल	04/12/2093	राहु	11/09/2101	गुरु	04/03/2111
चंद्र	14/04/2068	मंगल	11/12/2079	राहु	29/10/2094	गुरु	11/01/2103	शनि	12/04/2112
मंगल	10/09/2068	राहु	11/12/2082	गुरु	17/08/2095	शनि	11/08/2104	बुध	14/08/2112
राहु	28/09/2069	गुरु	11/08/2085	शनि	29/07/2096	बुध	11/01/2106		00/00/0000
गुरु	04/09/2070	शनि	10/10/2088	बुध	05/06/2097	केतु	12/08/2106		00/00/0000
शनि	14/10/2071	बुध	11/08/2091	केतु	11/10/2097	शुक्र	12/04/2108		00/00/0000
बुध	10/10/2072	केतु	10/10/2092	शुक्र	11/10/2098	सूर्य	11/10/2108		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 3 वर्ष 1 मा 27 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपकी जन्मपत्रिका के अध्ययन से यह स्पष्ट हो रहा है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न उदित था। साथ ही भरणी नक्षत्र के तृतीय चरण में जन्म के प्रभाव से जन्म नवमांश तुला एवं धनु राशि का द्रेष्काण उदित था। ज्ञातव्य है कि जन्मलग्न के प्रभाव से आप अपनी योग्यता एवं क्षमता का उचित उपयोग करेंगे। आप अपनी उन्नति के लिए तथा अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु अपनी प्रतिभा एवं प्रवृत्ति के अनुसार अपना कार्यकलाप निर्धारित करेंगे। आप अपनी उन्नति के लिए अपनी योजना और गतिविधि के अनुसार अपने को उन्नति कारक कर सकते हैं। आप प्रारंभ में नयी कार्य शैली को संपादित करने का सघटनात्मक व्यवस्था कर लें। आप अपनी स्थिरता एवं मजबूती के लिए मात्र अपनी बुद्धि को लगनशील बनाएं। अपनी योजना के कार्यान्वयन के लिए अपने विचार में स्थिरता लाएं और बुद्धि का उचित संचालन करें। अपने विचारों में परिवर्त्तनशीलता लाकर एक कार्य या अन्य कार्य संपादित करने की प्रवृत्ति का त्याग करना चाहिए। आप अपनी धार्मिक प्रवृति के अनुसार एकाग्रचित होकर, अपने निर्णयानुसार एक बार एक ही कार्य को संपादन करने के प्रवृति में कोई बदलाव नहीं लाएं तो निश्चित रूप से आप सफल होंगे। आप अपनी कामयाबी प्राप्त करने के लिए अन्य संभावनाओं के त्याग कर सफल होंगे।

आप में अनुकूल कार्यकलाप संपादन करने की बहुत बड़ी शक्ति विद्यमान है। अपरिमेय साहस एवं आत्मविश्वास के साथ कार्य की सफलता हेतु अग्रसर रहेंगे। आपके प्रभाव एवं निर्देशन से सभी लोग प्रभावित होते हैं तथा आपकी नेतागिरि के प्रभाव से आपका निर्देशन प्राप्त करते हैं। आप में कठिन कार्य संपादन करने की क्षमता है तथा आप परिश्रम से बहुत अधिक धन और यश प्राप्त करेंगे। परंतु आप बहुत अधिक धन का अपव्यय करते है। परिणामस्वरूप आपके लिए बहुत धन संग्रह करना एक दुष्कर कार्य है।

आप में सतत जहां-तहां भ्रमण करने की प्रवृति विद्यमान है। आपको एक स्थान से दूसरे स्थान की यात्रा प्रेमपूर्वक करेंगे तथा नये-नये स्थान पर नयी मित्रता स्थापित करेंगे। आप अपने मित्रों एवं शुभ चिंतकों के द्वारा उन्नति करेंगे तथा अपने जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

आपको अपने शत्रुओं के प्रति सशंकित अथवा चिंतित रहने की कोई आवश्यकता नहीं है। वास्तव में वे लोग आपको पूर्ण सुरक्षित समझते हैं। क्योंकि वे आपके क्षणिक क्रोधयुक्त मनोदशा देख कर भयभीत रहेंगे।

आप अपने परिवार के प्रति पूर्ण सतर्क रह कर अपने परिवार के लिए अतिरिक्त समय निकाल लेते हैं। आप पारिवारिक संतुष्टि के पश्चात् अपनी जवावदेही से पूर्णरूपेण मुक्त है।

आप सुखपूर्वक अपना संपूर्ण आयु आनंददायक ढंग से व्यतीत कर लेंगे। क्योंकि आप में सशक्त आंतरिक शक्ति विद्यमान है। आप अपनी संतुष्टि हेतु विपरीत योनि के प्रति आशक्त रह कर उत्तेजनात्मक जीवन-व्यतीत करेंगे। परिणामस्वरूप आप जिस प्रकार यौन संबंध

का निर्वाह करोगे वह संबंध किसी खास यौन रोग के उत्पत्ति का कारक होगा। अतः सावधानी पूर्वक कुछ समय हेतु किसी नारी के साथ भ्रमण सैर सपाटा कर लें। अन्यथा आपकी लापरवाही से पसंद किया गया गुप्त कार्य संतुष्टि प्रदान नही करेगा।

आप शरीर से दुबले-पतले परंतु मांसल युक्त सशक्त शरीर से युक्त रहेंगे। आपकी ललाट उन्नत एवं आपका चेहरा लंबा है तथा ओठ नुकीली होगी। यह संभव है कि जल्द ही आपके सिर पर चोट लग जाए तथा घाव का चिंह्न बन जाए, आपको सदैव ही बुद्धिमत्ता पूर्ण ढंग से सावधानी पूर्वक सुरक्षित ढंग से गंभीर दुर्घटना से बचें। मुख्यतः दुर्घटना से अपने सिर की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहें। इसलिए शीघ्रतापूर्वक गाड़ी चलना त्याग दें तथा सावधानी पूर्वक व्यस्त पंथ को उलंघन पार करें।

आप सदैव ही आपने भोजन एवं समुचित विश्राम के प्रति पूर्ण रूपेण सतर्क रहें। क्योंकि आपको जीवन में आराम नही मिलता है। समय पर भोजन और विश्राम नही करना हानिप्रद रहेगा। आप सदैव ही मद्यपान एवं मासांहार का त्याग करें। ग्रहों के प्रभाव से आपके लिए हरी साक-सब्जी का आहार अनुकूल है। इसके अतिरिक्त निश्चिन्तता पूर्वक विश्राम एवं अच्छी मात्रा में शयन करें।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके लिए साथ ही लाल, ताम्र वर्ण एवं पीला रंग आपके लिए अनुकूल है। आपके लिए सदैव ही काला रंग त्यागनीय है।

आपके लिए भाग्यशाली अंक 9 एवं 1 अंक है। आपके जीवन मे अंक 6 एवं 7 अंक सर्वथा त्याज्य है।